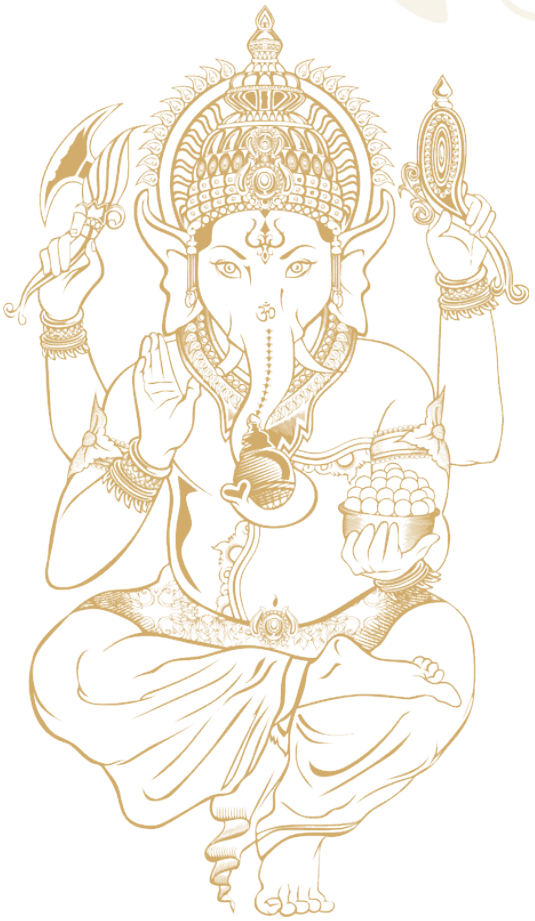

Deepak Samriti

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120567502

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
17/12/1996	जन्म तिथि	20-21/11/1998
मंगलवार	दिन	शुक्र-शनिवार
घंटे 17:45:00	जन्म समय	03:32:00 घंटे
घटी 25:45:34	जन्म समय(घटी)	51:07:47 घटी
India	देश	India
Jammu	स्थान	Jammu
32:42:00 उत्तर	अक्षांश	32:42:00 उत्तर
74:52:00 पूर्व	रेखांश	74:52:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:30:32	स्थानिक संस्कार	-00:30:32 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
07:26:46	सूर्योदय	07:04:53
17:26:27	सूर्यास्त	17:27:13
23:48:54	चित्रपक्षीय अयनांश	23:50:18

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
शनि 18वर्ष 9मा 5दि	07:15:47	मिथु	लग्न	कन्या	19:00:07	बुध 8वर्ष 1मा 14दि	
बुध	02:02:04	धनु	सूर्य	वृश्चि	04:32:22	शुक्र	
24/09/2015	03:29:50	मीन	चंद्र	वृश्चि	23:37:45	04/01/2014	
23/09/2032	29:59:57	सिंह	मंगल	कन्या	02:28:57	04/01/2034	
बुध 19/02/2018	22:18:56	धनु	बुध	वृश्चि	23:41:33	शुक्र 06/05/2017	
केतु 16/02/2019	28:03:51	धनु	गुरु	कुंभ	24:25:00	सूर्य 06/05/2018	
शुक्र 17/12/2021	06:31:58	वृश्चि	शुक्र	वृश्चि	09:58:38	चन्द्र 05/01/2020	
सूर्य 24/10/2022	06:58:19	मीन	शनि व	मेष	04:14:04	मंगल 06/03/2021	
चन्द्र 24/03/2024	10:27:42	कन्या	राहु व	सिंह	02:33:55	राहु 06/03/2024	
मंगल 21/03/2025	10:27:42	मीन	केतु व	कुंभ	02:33:55	गुरु 05/11/2026	
राहु 09/10/2027	08:41:26	मक	हर्ष	मक	15:25:56	शनि 04/01/2030	
गुरु 14/01/2030	02:30:04	मक	नेप	मक	05:59:40	बुध 04/11/2032	
शनि 23/09/2032	10:03:19	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	13:42:46	केतु 04/01/2034	

लग्न-चलित

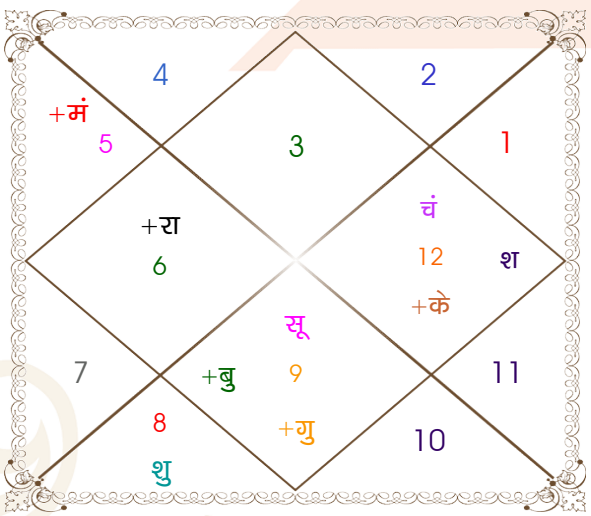

लग्न-चलित

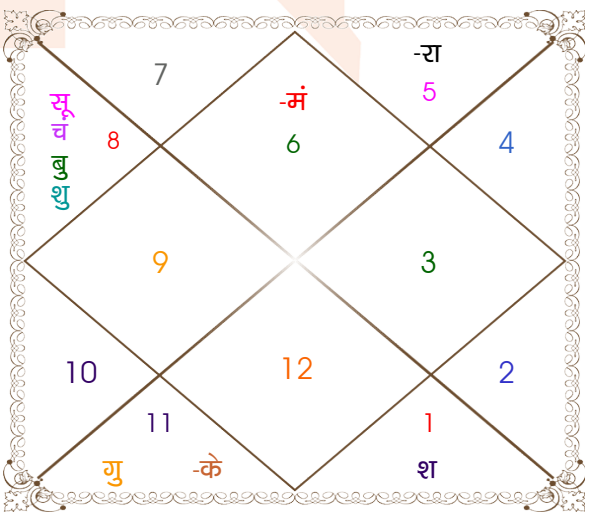

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	विप्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	कीटक	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	अतिमित्र	सम्पत	3	3.00	--	भाग्य
योनि	गौ	मृग	4	3.00	--	यौन विचार
मैत्री	गुरु	मंगल	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	राक्षस	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	मीन	वृश्चिक	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	21.00		

गणदोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता है।

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

Deepak का वर्ग सर्प है तथा Samriti का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Deepak और Samriti का मिलान शुभ है।

मंगलीक दोष मिलान

Deepak मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है।

Samriti मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल Deepak कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Deepak तथा Samriti में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।